इन्टरनेशनल ओपन ग्रान्ड मास्टर्स चेस में 16 देश के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे

अहमदाबाद : गुजरात स्टेट चैस एसोसिएशन द्वारा गुजरात में पहलीबार इन्टरनेशनल ओपन ग्रान्ड मास्टर्स टूर्नामेन्ट का प्रारंभ गत दिन शहर के कर्णावती क्लब के गोल्डन ग्लौरी हॉल में किया गया ।2– लाख रुपए की इनामी राशिवाली इस टूर्नामेन्ट में देशविदेश के 600 से अधिक खिलाड़ियों के साथ गुजरात के भी इन्टरनेशनल रेटेड खिलाड़ी को इसमें शिरकत करने का मौका मिला ।टूर्नामेन्ट के टॉप सिडेड खिलाड़ी युक्रेन के क्रिस्टिव मार्टीन ने चेस बोर्ड पर एक मूव चलकर इसका शुभारंभ किया ।इस दौरान गुजरात स्टेट चेस एसोसिएशन के प्रमुख अजय पटेल, सेक्रेटरी भावेश पटेल तथा वाइस प्रेसिडेन्ट मयुर पटेल ने चेस आयोजन की गोरवमयी पल का गरमजोशी से स्वागत किया ।16 देश के खिलाड़ियों की यह टूर्नामेन्ट वर्ल्ड एवं इन्डिया चेस फेडरेशन के तत्वावधान में आयोजित की गयी है ।

डॉक्टर मुकवेगे पेशे से स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं

नादिया मुराद और डॉक्टर डेनिस मुकवेगे को नोबेल शांति पुरस्कार

ओस्लो, नोबेल पुरस्कारों में शुक्रवार को शांति के पुरस्कार की घोषणा की गई । ओस्लो में पांच सदस्यों की कमिटी ने डीआर कांगो के डॉक्टर मुकवेगे और आईएस के आतंक का शिकार हुई यजीदी रेप पीड़िता नादिया मुराद को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए चुना है । यौन हिंसा के खिलाफ प्रभावी मुहिम चलाने और महिला अधिकारों के लिए उत्कृष्ट कार्य के बदले यह सम्मान दिया गया है।

पुरस्कार चयन समिति ने कहा, दोनों ही विजेताओं को युद्ध क्षेत्र में यौन हिंसा को हथियार की तरह इस्तेमाल किए जाने की मानसिकता के खिलाफ सराहनीय काम किया है ।

यौन हिंसा के खिलाफ इनके सर्वोच्च योगदान को देखते हुए नोबेल शांति सम्मान दिया जा रहा है । रेप पीड़िता नादिया मुराद को आईएस के लड़ाकों ने सेक्स स्लव बनाया था । वहां से जान बचाकर निकलने के बाद से वह इस वक्त पूरी दुनिया में महिलाओं को यौन हिंसा के खिलाफ जागरूक करने का काम कर रही हैं । डॉक्टर मुकवेगे पेशे से स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं और वह यौन हिंसा की शिकार महिलाओं के लिए लंबे समय से काम कर रहे हैं ।

इस साल शांति के नोबेल पुरस्कार के लिए कुल ३३१ (२१६ लोगों और ११५ संगठनों) का नाम मुकाबले में शामिल हुआ था । अब तक ९८ नोबेल शांति पुरस्कार दिए जा चुके हैं ।

इस साल बुकी मार्केट में अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग-उन का नाम भी चल रहा था ।

मेघना गुलजार की अगली फिल्म प्रड्यूस करेंगी दीपिका

मुंबई, ऐसी खबरें आई थी कि मेघना गुलजार ऐसिड अटैक पीड़िता लक्ष्मी अग्रवाल की कहानी पर फिल्म बनाना चाहती हैं । अब फिल्म के बारे में यह खबर आ रही है कि इससे दीपिका पादुकोण भी जुड़ चुकी हैं । दीपिका न सिर्फ इस फिल्म में लक्ष्मी अग्रवाल का किरदार निभाएंगी बल्कि इस फिल्म को प्रड्यूस भी करेंगी ।

दीपिका ने इस बारे में कहा, जब मैंने यह कहानी सुनी, तो मुझे लगा कि यह सिर्फ एक महिला के साथ हिंसा की कहानी नहीं है बल्कि यह उस महिला की मजबूती और बहादुरी की भी कहानी है । इस कहानी ने मुझे इतना प्रभावित किया कि मैंने ऐक्टिंग के साथ ही इस फिल्म को प्रड्यूस करने का भी निर्णय लिया ।

बता दें कि गरीब घर की लक्ष्मी अग्रवाल केवल १५ साल की थीं जब २००५ में दिल्ली के एक बस स्टॉप पर एक ३२ साल के आदमी ने उन पर ऐसिड डाल दिया था । हमला करने वाला व्यक्ति लक्ष्मी के परिवार की जान-पहचान का ही था और वह लक्ष्मी पर आकर्षित हो गया था । साल २००६ में लक्ष्मी ने सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की थी जिसमें गैर-कानूनी रूप से ऐसिड बेचने पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी । साल २०१३ में सुप्रीम कोर्ट ने ऐसिड अटैक के मामले में कानून में बदलाव कर दिया और गैर-कानूनी तौर पर ऐसिड बेचने पर बैन लगाय दिया । साथ ही, ऐसे हमले करने वाले के लिए १० साल की सजा का प्रावधान भी रखा गया । लक्ष्मी ने इसके बाद एक गैर सरकारी संस्था छांव फाउंडेशन का भी गठन किया है जो ऐसिड अटैक पीड़िताओं की मदद करती है ।

शेरों को विश्व स्तरीय जांच-उपचार मुहैया कराएं -नथवाणी

अहमदाबाद. राज्यसभा सांसद परिमल नथवाणी ने गिर वन के 23 एशियाई शेरों की मौत पर दुख जताते हुए केन्द्र व राज्य सरकार से जल्द से जल्द विशेषज्ञों से जांच कराने की मांग की है। वन्यजीव प्रेमी सांसद के मुताबिक केन्द्र व राज्य सरकार को तत्काल अफ्रीका, अमरीका व यूरोप से विदेशी वेटरनरी विशेषज्ञों की टीम को बुलाकर गिर के एशियाई शेरों के स्वास्थ्य की विश्व स्तरीय जांच व उपचार मुहैया कराना चाहिए। झारखंड से सांसद नथवाणी ने बताया कि गिर राष्ट्रीय पार्क के बाहर शेरों के प्रबंधन के लिए ग्राउंड स्टाफ की कमी है। अभ्यारण्य क्षेत्र से बाहर करीब 167 शेर हैं और प्रत्येक गार्ड को 15-20 में गश्त लगानी पड़ती है। गिर व बृहद गिर इलाके में शेरों की संख्या बढने से शेरों की करीब 30 फीसदी आबादी गैर संरक्षित इलाके में हैं, इसलिए सरकार को इन इलाकों में ध्यान देना चाहिए। इन इलाकों में शेर अवैध शेर दर्शन या अप्राकृतिक मौत का शिकार हो सकते हैं।

उन्होंने वर्ष 1994 में तंजानिया के सेरेनगेटी रिजर्व में केनाइन डिस्टेम्पर वाइरस (सीडीवी) व प्रोटोजोआ संक्रमण से मारे गए करीब एक हजार शेरों की घटना का हवाला देते हुए कहा कि अफ्रीका, अमरीका व यूरोप के वेटरनरी विशेषज्ञ शेरों के स्वास्थ्य की जांच और इस बीमारी को नियंत्रित करने में मदद कर सकेंगे।

नथवाणी के मुताबिक शेरों की संख्या के मुकाबले शेरों के उपचार के लिए मेडिकल सुविधा कम है। यहां तक कि एक या दो चिकित्सक हैं। शेरों के लिए विशेष रूप से गहन चिकित्सा एंबुलेंस की व्यवस्था होनी चाहिए जिससे शेरों के बीमार पडने पर एंबुलेंस में ही उपचार किया जा सके।

उन्होंने यह भी कहा कि जंगलों में कुत्ते के आतंकों के नियंत्रण को लेकर सरकार के पास कोई योजना नहीं है। सीडीवी कुत्तों में भी पाया गया है जिससे शेरों की मौत हुई है।(18-1)

अंगदान के लिए अभियान तेज करे: उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने अग्नाशय, फेफड़ों, हृदय, लीवर और गुर्दे खराब हो जाने के बढ़ते मामलों के मद्देनजर इन मानव अंगों की बढ़ती मांग को देखते हुए अंगदान अभियान में तेजी लाने का आह्वान किया है।

हैदराबाद में इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑर्गेन ट्रांसप्लांटेशन के 29वें सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री वेंकैया नायडू ने कहा कि आज के समय में देश में अंगदान की बहुत जरूरत है लेकिन इनकी उपलब्धता बेहद सीमित है। लीवर प्रत्यारोपण की जरूरत वाले मरीजों की संख्या प्रति वर्ष 85,000 होती है लेकिन इनमें से 3 प्रतिशत से भी कम का ही प्रत्यारोपण हो पाता है। इसी तरह प्रति वर्ष 2 लाख मरीज गुर्दा प्रत्यारोपण के लिए पंजीकरण कराते है लेकिन इनमें से केवल 8,000 का ही प्रत्यारोपण हो पाता है। हजारों की संख्या में प्रतीक्षारत मरीजों में से केवल 1 फीसदी का ही हृदय और फेफड़ों का प्रत्यारोपण होता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि हालांकि पिछले चार-पांच वर्षों के दौरान मृत्यु उपरांत मानव अंगदान के मामलों में काफी तेजी आई है लेकिन फिर भी मांग और आपूर्ति में बड़ा अंतर बना हुआ है और प्रति दस लाख में इसका औसत 0.8 है जो कि स्पेन और क्रोएशिया जैसे छोटे देशों की तुलना में भी बहुत कम है।

श्री नायडू ने कहा कि देश में अंग दान की मांग और आपूर्ति में यह बड़ा अंतर सांस्कृतिक मान्यताओं, पारम्परिक सोच और कर्मकाण्डों की वजह से है। उन्होंने डॉक्टरों, गैर-सरकारी संगठनों और अन्य लोगों से अनुरोध किया कि वह अंगदान के महत्व के प्रति लोगो को जागरूक करें। उपराष्ट्रपति ने डॉक्टरों और स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले अन्य लोगों से अंग प्रत्यारोपण विधि को जरूरतमंद लोगों के लिए सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने का भी अनुरोध किया। उन्होंने ईलाज से बचाव बेहतर के कथन पर जोर देते हुए कहा कि जीवनशैली में बदलाव कर कई घातक बीमारियों से बचा जा सकता है।

गैर-संचारी रोगों के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए श्री नायडू ने चिकित्सक समुदाय से कहा कि वे लोगों को अनियमित जीवनशैली, जंक-फूड और शराब तथा तम्बाकू के सेवन से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक बनाएं। उन्होंने योग के फायदे गिनाते हुए कहा कि योग का धर्म से कोई लेना-देना नहीं हैं। बेहतर स्वास्थ्य के लिए सभी को नियमति रूप से योग करना चाहिए। ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि डॉक्टरों को पहली पदोन्नति देने के पहले उनका ग्रामीण क्षेत्रों में कम से कम दो-तीन साल काम करना अनिवार्य बनाया जाना चाहिए।

10.74 करोड़ गरीब ग्रामीण परिवारों को स्वास्थ्य बीमा सुविधा के रूप में आयुष्मान भारत योजना की शुरूआत करने की केन्द्र सरकार की पहल का स्वागत करते हुए श्री नायडू ने इसे एक सकारात्मक प्रगतिशील योजना बताया। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत देश में दवाओं और उपकरणों के विनिर्माण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, ताकि वह सस्ती दरों पर उपलब्ध हो सकें।

सम्मेलन में तेलंगाना के उप-मुख्यमंत्री श्री मोहम्मद महमूद अली, भारतीय अंग प्रत्यारोपण सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. के.एल. गुप्ता और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

साबरमती जेल में जर्नालीज्म का पाठ्यक्रम शुरू होगा 15 से

अहमदाबाद: गांधीजी द्वारा स्थापित नवजीवन ट्रस्ट एवं साबरमती जेल के संयुक्त तत्वावधान में गत तीन सालों से जेल में कैदियों को शिक्षा और रोजगारलक्षी एवं कला संबंधित कार्यक्रम आयोजित किये जाते रहे हैं ।गांधीजी की 150वीं जयंती के अवसर पर नवजीवन ट्रस्ट द्वारा 15 अक्टूबर से पत्रकारत्व और प्रूफ रीडींग का एक वर्ष का डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इस शैक्षिक कार्यक्रम में 20 कैदियों का चयन किया गया है ।कैदियों को शिक्षा के साथ- साथ रोजगार प्राप्त हो सकें ऐसी विशेष व्यवस्था की गयी है ।जो कैदी प्रूफ रीडींग का कार्य सिख लेंगे उन्हें नवजीवन ट्रस्ट अपने प्रकाशनों का प्रूफ रीडींग का कार्य प्रदान करेगा। जिससे केदियों को शिक्षा के साथ साथ रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। इन कैदियों को जेल के नियमानुसार वेतन का भुगतान भी किया जावेगा।

पीएम मोदी द्वारा शुरू किया गया स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम सम्पन्न

अहमदाबाद : 15 सितम्बर 2018 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम पूरे देश में उत्साह पूर्वक पूरा करते हुए 02 अक्टूबर पूज्य बापू गांधी जयंती पर विभिन्न प्रोत्साहित कार्यक्रम के साथ सम्पन्न हुआ। प्रत्येक राज्यों के भांति केन्द्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप के नागरिक और प्रशासन ने भी उत्साह के साथ अपनी भागीदारी का निर्वाह किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत लक्षद्वीप प्रशासन के द्वारा भी विभिन्न प्रकार के पारितोषिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। 02 अक्टूबर 2018 को राजधानी कवरती में माननीय प्रशआसनिक अधिकारी फारूख खान, कलेक्टर विजेन्द्र सिंह रावत, अध्यक्ष एवं मुख्य सलाहकार बी.हसन आदि की उपस्थिति में सभी भागीदार नागरिक एवं संस्थाओं को उनके उत्कृष्ट स्वच्छता ही सेवा के लिए पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

प्रथम पुरस्कार महात्मा गांधी पर बनी लघु फिल्म को दिया गया। द्वितीय पुरस्कार समुन्द्री जैव विविधता पर आधारित पेंटिंगको तृतीय पुरस्कार करवती के 12 वार्ड में चयनित सबसे स्वच्छ घर को दिया गया ।इस मौके पर लक्षद्वीप के प्रथम कैप्टन मंसूर टी.पी. को उनके मास्टर - फॉरेन - गोइंग प्रमाण पत्र पात्रता के लिए सम्मानित किया गया।(1-5)

वाणिज्य मंत्री ने भारत-चीन व्यापार पर अध्ययन रिपोर्ट जारी की

केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग और नागरिक उड्डयन मंत्री श्री सुरेश प्रभु ने भारत-चीन व्यापार पर वाणिज्य विभाग द्वारा कराए गए अध्ययन से सम्बन्धित रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में चीन के साथ भारत के बढ़ते व्यापार घाटे के स्तर का उल्लेख करने के साथ-साथ इसके कारणों का विश्लेषण भी किया गया है।

वाणिज्य मंत्री ने कहा कि चीन के साथ भारत का व्यापार सम्बन्ध अनूठा है और देश में लोगों की जितनी रुचि भारत-चीन व्यापार सम्बन्धों में होती है, उसकी तुलना किसी और द्विपक्षीय व्यापार सम्बंध से नहीं की जा सकती है। चीन वर्ष 2001 में भारत का एक छोटा व्यापार साझेदार था और 15 वर्षों की अवधि में ही चीन बड़ी तेजी से भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार बन गया है। दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ रहा है, लेकिन इसके साथ ही चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा भी बढ़ता जा रहा है।

मंत्री महोदय ने अध्ययन रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि ज्यादातर उद्योग संगठन चाहते हैं कि सरकार मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को लेकर रक्षात्मक रुख अख्तियार करे और घरेलू उत्पादकों के लिए घरेलू बाजारों के सिद्धांत पर अमल करते हुए शुल्क दरों (टैरिफ) को बढ़ा दे। विश्व भर में संरक्षणवादी नीतियां तेजी से अमल में लाई जा रही हैं। वर्ष 2018 में विश्व भर में संरक्षणवादी उपायों का उपयोग अप्रत्याशित रहा और इसके साथ ही दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध का खतरा भी मंडराने लगा है।

शाहरूख के बाद सलमान पर भड़के सिंगर अभिजीत

मुंबई, आजकल सिंगर अभिजीत भट्टाचार्य अपने गानों के लिए नहीं बल्कि अपने विवादित बयानों के कारण चर्चा में रहते हैं। लगता है आजकल अभिजीत बॉलिवुड के खानों से खासे नाराज चल रहे हैं । हाल में उन्होंने कहा था कि जबसे उन्होंने शाहरुख के ए़ि गाना बंद कर दिया है तब से उनकी फिल्में फ्लॉप हो रही हैं। अब अभिजीत बॉलिवुड के सुपरस्टार सलमान खान पर भड़के हुए हैं। अभिजीत भट्टाचार्य ने सलमान खान की इसलिए आलोचना की है क्योंकि वह अपनी फिल्मों में लगातार पाकिस्तानी सिंगरों को गाना गाने का मौका दे रहे हैं । अभिजीत का कहना है कि सलमान अपनी फिल्मों में लगातार आतिफ असलम और राहत फतेह अली खान जैसे सिंगर को गाने दे रहे हैं जिससे भारतीय सिंगर्स को बॉलिवुड में कम मौके मिल रहे हैं ।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिजीत ने यह भी कहा है कि सलमान पाकिस्तानी सिंगर्स का पक्ष लेते हैं जो धीरे धीरे बॉलिवुड का एक ट्रेंड बनता जा रहा है । अभिजीत ने यह भी सवाल उठाया है कि क्या अब भारतीय सिंगर्स क्यां बॉलिवुड में प्लेबैक सिंसिंग करने लायक नहीं हैं ।

उन्होंने कहा कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में पाकिस्तानी गायकों और कलाकारों के काम करने पर रोक लगाई चानी चाहिए । उनका तर्क है कि बॉर्डर पर पाकिस्तानी लोग भारतीय सैनिकों को मार रहे हैं और दूसरी तरफ सलमान केवल पाकिस्तानी सिंगर्स को ही अपनी फिल्मों में गाने का मौका दे रहे हैं ।

नीतिगत व्याज दरों में कोई बदलाव नहीं होगा : रिपोर्ट

नई दिल्ली, भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रमुख नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया है । रीपो रेट ६.५ प्रतिशत और रिवर्स रीपो रेट ६.२५ प्रतिशत यथावत रखा गया है । इससे पहले लगातार २ मौद्रिक नीति समीक्षा में रीपो रेट में बढ़ोतरी की गई थी। कच्चे तेल में तेजी और डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार गिरावट के कारम महंगाई बढ़ने की आशंका को देखते हुए विशेषज्ञों को उम्मीद थी कि मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दरों को बढ़ाया जा सकता है । भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी शोध रिपोर्ट इकोरैप में कहा था कि रिजर्व बैंक को रुपये की गिरावट थामने के लिए ब्याज दर में कम ०.२५ प्रतिशत की वृद्धि करनी चाहिए। वहीं, मॉर्गन स्टेनली ने भी कहा था कि उसे अक्टूबर की समीक्षा बैठक में रिजर्व बैंक द्वारा अल्पावधि ब्याज दर बढ़ाने की उम्मीद है ।

नारायण सेवा संस्थान के सम्मान में डाक विभाग ने जारी किया डाक टिकट

उदयपुर, भारतीय डाक विभाग ने आज उदयपुर के गैर-लाभकारी संगठन नारायण सेवा संस्थान के सम्मान में डाक टिकट जारी किया। उदयपुर में नारायण सेवा संस्थान के बडी परिसर में आयोजित एक समारोह में अजमेर मंडल के पोस्ट मास्टर जनरल श्री रामभरोसा जी, उदयपुर डाकघर मंडल के प्रवर अधीक्षक श्री जी एस गुर्जर और नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक और अध्यक्ष , श्री कैलाश अग्रवाल की उपस्थिति में टिकटों का अनावरण किया गया।श्री रामभारोसा जी, पोस्ट मास्टर जनरल, अजमेर डिवीज़न ने नारायण सेवा संस्थान के बड़ी परिसर में एक नए डाकघर के उद्घाटन की भी घोषणा की, जिसका प्रबंधन पास के थूर गांव के हेड पोस्ट मास्टर द्वारा किया जाएगा।

पांच रुपए मूल्य वाले इस डाक टिकट में उज्ज्वल रंगों में नारायण सेवा संस्थान का आधिकारिक लोगो शामिल है। साथ ही इसमें संस्थान के उदयपुर स्थित पोलियो अस्पताल की तस्वीर को भी स्थान दिया गया है। इस डाक टिकट का जारी होना दिव्यांग और वंचित लोगों को शारीरिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में सराहनीय कार्य करने के लिहाज से संस्थान के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करता है।

संपादक-चुनीलाल एस. भट्ट, मुद्रक एवं प्रकाशक-मयुर सी. भट्ट, प्रकाशन स्थल-201, 202, 208 नंदन कोम्पलेक्ष, मीठाखली, अहमदाबाद-6. मालिक-कल्याणी पब्लिकेशन प्रा.लि. द्वारा महादेव ऑफसेट, एच-47, रवि एस्टेट, रूस्तम मिल कम्पाउंड, दूधेश्वर, अहमदाबाद में छपवाकर प्रकाशित किया।
फोन-26568477, 26409779.
E : alpaviram1@yahoo.com

डॉ बत्राज मल्टी-स्पेशिएलिटी होम्योपैथी ने भारत को गौरवान्वित कराया

मुंबई, डॉ बत्राज मल्टी-स्पेशिएलिटी होम्योपैथी ने एक बार फिर भारत में होम्योपैथी द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला, जो होम्योपैथी में अनुसंधान और विकास को बढावा देकर इसे नई ऊँचाईयों पर पहुँचाती है।

केप टाउन में हुए 73वें लीगा मेडीकोरम होम्योपाथिका इंटरनेशनलीज (LHMI) सम्मेलन में दि ट्रायकोलॉजिकल सोसाइटी, लंडन (MUHS) के पूर्व अध्यक्ष, होम्योपैथी डर्माटोलॉजी ;डन्भैद्ध में फेलो, डॉ बत्राज कंपनी समूह के वाइसचेयरमैन तथा प्रबंध निदेशक डॉ अक्षय बत्रा द्वारा लिखे गये पेपर को स्वीकार्यता तथा सम्मान प्रदान किया गया। सोरायसिस से पीड़ित मरीजों की दुर्दशा को उजागर करते हुए, पेपर में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि कैसे सोरायसिस के मरीजों के जीवनस्तर पर पडने वाला नकारात्मक प्रभाव उतना ही गंभीर है जितना कि कैंसर या मधुमेह से पीडित व्यक्ति का। दुनिया भर में 8000.लोगों के लिए गये सैम्पल और उन सैम्पलों के विश्लेषण से पता चलता है कि सोरायसिस से पीड़ित मरीजों को अक्सर भेदभाव और अपमान का अनुभव होता है। जिसके चलते 54 प्रतिशत लोग यह महसूस करते हैं कि सोरायसिस ने उनके कामकाजी जीवन को प्रभावित किया है, 43 प्रतिशत महसूस करते हैं कि इससे उनके रिश्ते प्रभावित हुए हैं और 38 प्रतिशत लोगों में मनोवैज्ञानिक स्तर पर समस्याऐं देखी गई। यह पाया गया कि रोगी पर अन्य किसी त्वचा रोग की तुलना में सोरायसिस का प्रभाव अधिक गहरा पडता है। यह किसी व्यक्ति के जीवन पर भारी शारीरिक, सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक दबाव हो सकता है। (19-8)

शहरी क्षेत्र में टिकाऊ ठोस कचरा प्रबंधन के लिए जन-सामुदायिक भागीदारी अहम - हरदीप पुरी

आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि ठोस कचरों के निस्तारण के लिए ऐसी वैज्ञानिक और नवीन तकनीक जरुरी है जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही सामाजिक और आर्थिक रूप से व्यावहारिक भी हो। विश्व पर्यावास दिवस के मौके पर नई दिल्ली में शहरी ठोस कचरा प्रबंधन विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री पुरी ने कहा कि सरकार ने शहरी विकास क्षेत्र के लिए ठोस कचरा प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 100 फीसदी शहरी आबादी को ठोस कचरा प्रबंधन सेवा के दायरे में लाने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से शहरी क्षेत्रों के ठोस कचरे का प्रबंधन शहरी आबादी के गुणवत्तापूर्ण रहन-सहन के लिए जरूरी है।

श्री पुरी ने कहा कि सम्मेलन का विषय हमें यह याद दिलाता है कि सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत है। आदतों में बदलाव और जन-सामुदायिक भागीदारी टिकाऊ ठोस कचरा प्रबंधन के लिए बेहद अहम है। इसके जरिए ही शहरों और मानव बस्तियों को सुरक्षित और टिकाऊ बनाया जा सकता है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में 88.4 मेगावाट बिजली कचरे से पैदा की जाती है। इसी तरह कचरे से 15.69 लाख मीट्रिक टन खाद बनाई जाती है। उन्होंने शहरी स्थानीय निकायों से अनुरोध किया कि वह कचरे के बेहतर प्रबंधन के लिए नगर निगमों के कर्मचारियों को पर्याप्त प्रशिक्षण दे। उन्होंने बेहतर कचरा प्रबंधन के लिए हूडको, एचएसएमआई और एनआईयूए जैसे संगठनों से भी सहयोग की अपील की।

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
भारी पानी संयंत्र, बड़ौदा

निविदा सूचना

जो ठेकेदार पात्रता संबंधी सूचना–आमंत्रण–निविदा(एनआईटी) में दिए गए मानदंड को पूरा करते हैं, उनसे निम्नलिखित कार्य के लिए भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्य–मद की दर संबंधी मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. सं.	काम का नाम	निविदा सं.	लगभग अनुमानित लागत	बयाना राशि जमा	अनुमत समय	निविदा की लागत
1	कोम्प्रेहेंसिव एन्युअल मेन्टेन्स ऑफ कॉम्प्यूटरर्स, प्रिंटर्स एंड पेरिफेरल्स	HWP/B/43/ COMP/2018 -19/17	₹ 5.68/- लाख	₹ 11,360/-	12 (बारह माह)	₹ 500/- (अप्रतिदेय)

निविदा दस्तावेज दिनांक **08/10/2018** से **22/10/2018** तक **10:00 बजे** से **14:30 बजे** के बीच किसी भी कार्य दिन पर लिखित अनुरोध करने पर तथा नकद में निविदा दस्तावेज की लागत का भुगतान करने पर **भुगतान और लेखा अधिकारी, भारी पानी संयंत्र, डाकः फर्टीलाइजरनगर, बड़ौदा** से प्राप्त किया जा सकता है।

निविदाएं दिनांक **22/10/2018 को 15:00 बजे** तक जमा की जा सकती हैं और उपस्थित निविदाकर्ताओं की उपस्थिति में उसी दिन **15:30 बजे** खोली जाएंगी।

निविदा दस्तावेज की खरीद के समय, निविदाकार को निम्नानुसार समान प्रकृति वाले कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने संबंधी अनुभव प्रमाणपत्र तथा कार्यादेश प्रस्तुत करना होगा।

(क) समान प्रकृति वाले तीन कार्यों में से प्रत्येक कार्य का मूल्य इस निविदा में दर्शाई गई अनुमानित लागत के 40% से कम नहीं होना चाहिए, या
(ख) समान प्रकृति वाले दो कार्यों में से प्रत्येक कार्य का मूल्य इस निविदा में दर्शाई गई अनुमानित लागत के 60% से कम नहीं होना चाहिए, या
(ग) समान प्रकृति वाले एक कार्य का मूल्य इस निविदा में दर्शाई गई अनुमानित लागत के 80% से कम नहीं होना चाहिए।

निविदाकार को निविदा दस्तावेज खरीदते समय वित्तीय सुदृढ़ता की दृष्टि से, निविदा में दिए गए मूल्य के 40% के समतुल्य मूल्य का शोधन–क्षमता प्रमाणपत्र देना होगां
ऊपर दर्शाए गए अनुसार बयाना–जमा के लिए "भुगतान एवं लेखा अधिकारी, भापासं, बड़ौदा" के पक्ष में देय डिमांड ड्राफ्ट रहित (विहीन) निविदाएं सरसरी तौर पर संक्षेपतः अस्वीकार कर दी जाएंगी।
निविदा और बयाना–जमा अलग–अलग मोहरबंद लि+फाफों में रखें और प्रत्येक को क्रमशः "निविदा" और "बयाना–जमा" लिख कर चिह्नित करें। दोनों लिफाफे एक और मोहरबंद लिफाफे में एक साथ डाल कर प्रस्तुत करें। बयाना–जमा राशि जमा होने पर ही "निविदा" चिह्नित लिफाफा यथाक्रम खोला जाएगा।
किसी भी प्रकार के सशर्त–घटौती (छूट) की अनुमति नहीं दी जाएगी और इस तरह की घटौती (छूट) के साथ प्राप्त निविदाएं तत्काल अस्वीकृत कर दी जाएंगी। अधोहस्ताक्षरी के पास बिना कोई कारण बताए विभिन्न अभिकरणों के किसी एक या सभी निविदाओं को अस्वीकृत करने या कार्य के विभिन्न भागों को आवंटित करने का अधिकार सुरक्षित है।

महाप्रबंधक
भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से